

डॉ. रॉबर्ट चिशोल्म, 1 और 2 सैमुअल, सत्र 21, 2 सैमुअल 11

© 2024 रॉबर्ट चिशोल्म और टेड हिल्डेब्रांट

यह डॉ. बॉब चिशोल्म 1 और 2 सैमुअल पर अपने शिक्षण में हैं। यह सत्र 21, 2 सैमुअल 11 है। हे, हम कितना उलझा हुआ जाल बुनते हैं, शक्ति विवेक को जहर देती है।

खैर, हम अपने अध्ययन में 2 शमूअल अध्याय 11 पर आ गए हैं। मैंने इस अध्याय का शीर्षक रखा है, हे, हम कितना उलझा हुआ जाल बुनते हैं, एक उपशीर्षक के साथ, शक्ति विवेक को विषाक्त कर देती है। और हम यहां जो देखने जा रहे हैं वह यह है कि प्रभु के चुने हुए सेवक, इस मामले में डेविड, अपने पापों को उससे छिपा नहीं सकते हैं।

इस अध्याय में सीखने के लिए बहुत सारे अन्य सबक हैं, और जैसे-जैसे हम आगे बढ़ेंगे हम उनके बारे में बात करेंगे। हमने इससे पहले देखा है, 2 शमूअल अध्याय 7 में, प्रभु ने दाऊद के साथ एक अटल वाचा बाँधी है, जो दाऊद और उसके वंश के संबंध में एक वादा है। भले ही दाऊद के वंशजों में से कोई भी प्रभु की अवज्ञा करता है या उसके खिलाफ विद्रोह करता है, प्रभु उस व्यक्ति को अनुशासित करने के लिए मजबूर होंगे, लेकिन प्रभु कभी भी दाऊद और उसके वंश को उस तरह से अलग नहीं करेंगे जिस तरह से उन्होंने शाऊल को किया था।

तो, डेविड के पास यह वादा है, और फिर दूसरे शमूअल 8-10 में, जिसे हमने अपने पिछले पाठ में देखा था, हम देखते हैं कि डेविड इज़राइल की सीमाओं को सुरक्षित कर रहा है, और वास्तव में वह एक राज्य की स्थापना कर रहा है। वह आसपास के लोगों को जीत रहा है और उनके साथ संधियाँ कर रहा है, जहाँ वह भगवान है और वे विषय हैं, और उन्हें श्रद्धांजलि देनी होगी, और इसलिए डेविड एक राज्य और एक साम्राज्य का निर्माण कर रहा है, और भगवान उसके साथ है, और चीजें बहुत अच्छे लग रहे हैं। लेकिन एक पैटर्न है जिसे हमें याद रखने की जरूरत है।

यदि हम 2 शमूअल के पास वापस जाते हैं, तो आपको याद होगा कि अध्याय 3, श्लोक 1 में, हमने पढ़ा था कि दाऊद मजबूत हो रहा था, जबकि शाऊल का घराना कमजोर हो रहा था। यह वह समय था जब दाऊद दक्षिण में यहूदा पर शासन कर रहा था, और उत्तर में, शाऊल का राज्य अभी भी उसके पुत्र के माध्यम से बरकरार था। लेकिन डेविड मजबूत हो रहा था, और शाऊल का घराना कमजोर हो रहा था, और फिर लेखक रुकता है और हमें यह देता है जिसे मैं हरम रिपोर्ट कह रहा हूँ, और हमें पता चलता है कि डेविड की अब अचानक दो से अधिक पत्नियाँ हैं।

उसके पास छह हैं। कहानी जारी है, और अध्याय 5 में, हमने पढ़ा कि जैसे-जैसे परमेश्वर ने डेविड को मजबूत किया, उसकी शक्ति बढ़ती गई, और इसलिए डेविड को सफलता मिल रही है। इस समय तक, पूरे इज़राइल ने उसे राजा के रूप में मान्यता दे दी थी।

वह अब एक एकीकृत राष्ट्र पर शासन कर रहा है, और फिर देखो, 2रे शमूअल, अध्याय 5, श्लोक 13 से 16 में, हमारे पास एक और हरम रिपोर्ट है, और डेविड अधिक पत्नियाँ जमा कर रहा है।

हमारा तर्क है कि यह व्यवस्थाविवरण नीति का उल्लंघन है कि इस्राएल के राजा को पत्नियाँ नहीं बढ़ानी चाहिए। व्यवस्थाविवरण में चिंता यह है कि यदि आप विदेशी पत्नियों से विवाह करते हैं, तो वे आपका हृदय प्रभु से दूर कर देंगी, और आप मूर्तिपूजक बन जायेंगे।

बाद में सुलैमान के साथ भी यही हुआ। डेविड के साथ ऐसा नहीं हो रहा था। जैसा कि मैं कहना चाहता हूँ, वह स्थानीय लड़कियों से शादी कर रहा था।

लेकिन फिर भी, वह हरम के साथ, विशिष्ट प्राचीन निकट पूर्वी राजा की तरह दिखने लगा था। और निःसंदेह, जब आपकी ये सभी पत्नियाँ और बेटे अलग-अलग पत्नियों से हों, तो शाही दरबार के भीतर विवाद, मतभेद और संघर्ष की संभावना होती है। और जैसे-जैसे हम आगे बढ़ेंगे कहानी में ऐसा ही घटित होगा।

तो, दूसरे सैमुअल, अध्याय 8 से 10 में, डेविड बहुत सफल है। उसकी शक्ति बढ़ रही है। वह राज्य स्थापन कर रहे हैं।

लेकिन मुझे लगभग हरम रिपोर्ट देखने की उम्मीद है। खैर, तकनीकी रूप से कहें तो हमें यह बात समझ में नहीं आती। दूसरे शमूएल 11 में, हम डेविड द्वारा अपने शाही दरबार में एक और महिला, बथशेबा को शामिल करने के बारे में पढ़ने जा रहे हैं, और यह एक कहानी है कि यह कैसे हुआ।

और हम डेविड को अपनी शक्ति का दुरुपयोग करते हुए देखेंगे, और हम डेविड को इन प्राचीन निकट पूर्वी राजाओं में से एक की तरह देखते हुए देखेंगे। तो कल, या हमारे पिछले पाठ में, यह कल था, आप में से उन लोगों के लिए जो देख रहे हैं। हमने अध्याय 11 में शुरुआत की, और हमने बताया कि डेविड ने, इन सभी महान जीतों को जीतने के बाद, योआब और सेना को अम्मोनियों के खिलाफ लड़ने के लिए भेजा।

परन्तु इस अवसर पर दाऊद यरूशलेम में ही रहा। इसलिए, ऐसा प्रतीत होता है कि वह गलत समय पर गलत जगह पर है। और हम देखेंगे कि वह वास्तव में गलत समय पर गलत जगह पर था।

तो, आइए पद 2 से पढ़ना शुरू करें। एक शाम, डेविड अपने बिस्तर से उठा और महल की छत पर घूमने लगा। छत से उसने एक औरत को नहाते हुए देखा। और फिर वर्णनकर्ता रुक जाता है।

हमने अपने पिछले पाठ में इस बारे में बात की थी कि हिब्रू कथा कैसे काम करती है। हिब्रू कथा में, हमारे पास एक मुख्य कहानी है, जो आम तौर पर क्रिया रूपों के साथ आगे बढ़ती है, जहां आपके पास विषय से पहले क्रिया होती है। और कभी-कभी कहानीकार हमें ऑफ़लाइन सामग्री देने के लिए क्रम को बाधित कर देगा।

लेकिन आमतौर पर यह महत्वपूर्ण है। यह जो कुछ भी कहा गया है उस पर ध्यान आकर्षित करता है। और यहाँ भी यही स्थिति है।

हमारे पास एक कहानी विकसित हो रही है। दाऊद उठा, वह चारों ओर चला गया, और फिर उसने एक महिला को नहाते हुए देखा। और फिर ऑफ़लाइन, वर्णनकर्ता, मुझे लगता है, इस कथन पर प्रकाश डालता है।

वह स्त्री बहुत सुन्दर थी। तो, डेविड ने सिर्फ एक महिला को नहाते हुए नहीं देखा। उसने एक अत्यंत सुन्दर स्त्री को स्नान करते हुए देखा।

अब इस श्लोक में कुछ बातें चल रही हैं जिन पर हमें टिप्पणी करने की आवश्यकता है। जब यह कहता है कि उसने एक महिला को देखा, तो उससे बच निकलना वास्तव में आसान होगा। लेकिन शाब्दिक रूप से कहें तो, आखिरी बार किसी ने कहानी में एक महिला को देखा था, विकासशील कहानी में, जोशुआ, जज, सैमुअल, किंग्स, पुराने नियम के पूर्व पैगंबर, आखिरी बार किसी पात्र ने एक महिला को देखा था, अनुमान लगाएं कि वह कौन थी? यह सैमसन था।

न्यायाधीशों, अध्याय 14 में, उसने टिमनाइट लड़की को देखा। निःसंदेह, इसके पीछे एक तरह से भगवान का हाथ था, इंजीनियरिंग की चीजें। लेकिन फिर अध्याय 16 में, उसने एक पलिशती वेश्या को देखा।

और वह उसके पास गया. और इसका कोई संकेत नहीं है कि प्रभु इसमें थे। यह बहुत दिलचस्प है, अध्याय 15 के अंत में, सैमसन के करियर का एक सारांश है, जिसमें मृत्यु का विवरण नहीं है।

और हम एक युग के अंत में गुजर रहे व्यक्ति के बारे में किसी प्रकार का संदर्भ देखने की उम्मीद करते हैं। ऐसा नहीं होता. और इसलिए, हम सोच रहे हैं कि संरचनात्मक रूप से क्या हो रहा है।

और फिर अध्याय 16 में, हमने सैमसन के एक वेश्या से मिलने के बारे में पढ़ा। ठीक है, आप ज्ञान साहित्य और विशेष रूप से नीतिवचन से जानते हैं, वेश्याएँ मृत्यु का प्रवेश द्वार हैं। और इसलिए, न्यायाधीश 16 में हमें जो मिलने जा रहा है वह सैमसन की मृत्यु का विवरण है।

और इसलिए, उसने एक महिला को देखा। और यही उनके निधन का कारण बना. और अब डेविड बड़ी कहानी में एक महिला को देखने वाला अगला पात्र है।

और यह कई मायनों में उनके निधन का कारण बनने जा रहा है। प्रभु की कृपा दाऊद और उसके राजत्व को बरकरार रखेगी क्योंकि प्रभु ने ऐसा करने का वादा किया था। लेकिन फिर भी, डेविड की कहानी इस बिंदु से कई मायनों में एक त्रासदी बनने जा रही है।

और इसके साथ एक और चीज़ भी चल रही है. इससे पहले कहानी में, 1 शमूएल 17 में, जब डेविड विशाल गोलियथ का सामना करने के लिए युद्ध के मैदान में गया था, तो उसे एक नए जोशुआ और कालेब की भूमिका में ढाला गया था। यदि आपको याद हो, जब इस्राएलियों ने भूमि पर कब्ज़ा कर लिया था, तब यहोशू और कालेब बड़े विश्वास वाले व्यक्ति थे।

वे अकेले जासूस थे जिन्होंने कहा, हम यह कर सकते हैं। इस्राएल के बाकी भेदिए कह रहे थे, नहीं, नहीं, हम ने देश में दानवों को देखा है। यहोशू और कालेब इससे प्रभावित नहीं थे।

और वास्तव में, उन्होंने इसराइल पर इसराइल की विजय का नेतृत्व किया। और वास्तव में, उन शहरों को ले लिया जहां दिग्गज रहते थे। तो, यहोशू और कालेब कई मायनों में विशाल हत्यारे थे।

और डेविड यही था। और इसलिए, जब डेविड 1 शमूएल 17 में दृश्य पर प्रकट होता है, तो वह नया जोशुआ-कालेब होता है। और ये बहुत सकारात्मक बात है।

लेकिन फिर, यदि हमारे मन में पैटर्न और न्यायाधीश हैं, जब हमने यहां पढ़ा कि उसने एक महिला को देखा, तो दुखद रूप से, डेविड, नया जोशुआ-कालेब, नया सैमसन बन गया है। और यह अच्छा नहीं है। सैमसन की कहानी त्रासदी में समाप्त होती है।

हमने यह भी पढ़ा कि वह महिला बेहद खूबसूरत थी। यहाँ प्रयुक्त भाषा एक प्रकार का दर्पण है; यह उसी प्रकार प्रतिध्वनित होता है जिस प्रकार 1 शमूएल 16 में दाऊद का वर्णन किया गया था। याद रखें, हमने बताया था कि प्रभु ने शमूएल से कहा था, मैं हृदय को देखता हूँ, आँखों को नहीं।

लेकिन फिर भी, जब कहानी में डेविड दृश्य में आता है, तो वर्णनकर्ता कहता है कि डेविड अच्छी आँखों वाला, दिखने में अच्छा दिखने वाला एक सुंदर आदमी है। और अब, यहां एक महिला है जिसका वर्णन उसी तरह किया जा रहा है। और मुझे लगता है कि हम इसे इस तरह से कह सकते हैं।

डेविड की नज़र एक ऐसे व्यक्ति पर पड़ी जो शारीरिक रूप से उसके बराबर था। वह अपने मैच से मिल चुका है, जैसे यह था। और इसलिए, सवाल उठता है कि क्या वह उस शक्ति का उपयोग करने के प्रलोभन का शिकार होगा जो अब राजा के रूप में उसके पास है जो वह चाहता है उसे लेने के लिए? जो लोग पावर मोड और लालच मोड में हैं, उनके लिए यह सोचना बहुत आसान है कि यह कुछ ऐसा है जो मैं चाहता हूँ और मैं इसे लेने जा रहा हूँ।

और यहाँ एक महिला है जो उसकी जोड़ी है। और निस्संदेह, वह उसे चाहता है। इसलिए पद 3 में डेविड ने उसके बारे में पता लगाने के लिए किसी को भेजा।

कहानी में हम जो देखने जा रहे हैं वह यह है कि डेविड बहुत कुछ भेजने जा रहा है। उसे बस शब्द कहना है। और उसके पास शक्ति और अधिकार है।

लोग उछल पड़ते हैं और वे वही करते हैं जो वह उनसे करने को कहता है। उसने योआब और सेना को अम्मोनियों के विरुद्ध भेजा। और हम उस क्रिया को बार-बार प्रकट होते देखेंगे।

दुख की बात है कि बाद में उसे भेजा जाएगा और इससे उसके परिवार का अंत हो जाएगा। अनजाने में, वह अपनी शाही शक्ति का प्रयोग करने जा रहा है और यह उसके खिलाफ भगवान के फैसले के हिस्से के रूप में उस पर उल्टा असर डालने वाला है। तो, डेविड के पास अधिकार है।

उसके पास शक्ति है. वह उसके बारे में पता लगाने के लिए किसी को भेजता है। वह नहीं जानता कि यह महिला कौन है.

और उस पुरुष ने कहा, वह एलीआम की बेटी और हिती ऊरिय्याह की पत्नी बतशेबा है। इससे डेविड को अपने रास्ते पर ही रुक जाना चाहिए था। वह किसी और की पत्नी है.

हमें बाद में शक्तिशाली योद्धाओं की सूची में पता चला कि ऊरिय्याह दाऊद के शक्तिशाली लोगों में से एक है। उसे हिती कहा जाता है, इसलिए जाहिर तौर पर वह एक विदेशी है जिसने हस्ताक्षर किए हैं, जैसे डेविड ने तब किया था जब वह पलिशितियों के साथ रहने के लिए गया था। फिर भी, उरिय्याह इसराइल के प्रमुख योद्धाओं में से एक है और यह उसकी पत्नी है और डेविड को यहीं रुक जाना चाहिए था।

लेकिन वह ऐसा नहीं करता. पाठ कहता है कि डेविड ने उसे पाने के लिए दूत भेजे। वह अपनी शक्ति का प्रयोग कर रहा है.

वह उसके पास आई और वह उसके साथ सो गया। तो, डेविड मूल रूप से दूत भेजता है और पाठ का शाब्दिक अर्थ है, डेविड ने दूत भेजे और उसे ले गया। और वह क्रिया ली गई वह है जो पहले ही दिखाई दे चुकी है और आगे भी दिखाई देगी।

यह डेविड के पास मौजूद शक्ति को दर्शाता है। वह भेजता है, वह लेता है. और आपकी रुचि हो सकती है कि वह क्या सोच रही थी? क्या उसे ऐसा महसूस हुआ कि उसे वही करना होगा जो राजा ने कहा था? शायद।

कुछ लोग इसे शक्ति बलात्कार के रूप में संदर्भित करेंगे। इसके सभी पहलुओं को समझने की कोशिश करते हुए, पाठ हमें वह सारी जानकारी नहीं देता जो हम पाना चाहते हैं, लेकिन मुझे लगता है कि पाठ में जोर डेविड पर है, बतशेबा पर नहीं। और इसलिए, दाऊद ने भेजा और वह ले गया और वह उसके पास आई और वह उसके साथ सोया।

उसके उसके साथ संबंध थे. और फिर इन ऑफ़लाइन टिप्पणियों में से एक फिर से है। इन मूल टिप्पणियों में से एक.

वास्तव में, यह एनआईवी 2011 संस्करण में कोष्ठक में है जिसे मैं पढ़ रहा हूं। अब वह अपनी मासिक अस्वच्छता से स्वयं को शुद्ध कर रही थी। तो, उसे अभी-अभी मासिक धर्म आया था, उसका मासिक धर्म चक्र चल रहा था।

और इसलिए, वह खुद को उससे शुद्ध कर रही है और यह महत्वपूर्ण है क्योंकि यह हमें सूचित करता है कि यदि वह गर्भवती होती है, तो मान लीजिए कि वह गर्भवती होती है, तो अनुमान लगाएं कि पिता कौन नहीं हो सकता है? हिती ऊरिय्याह, जिसका हम पता लगाने जा रहे हैं, युद्ध क्षेत्र में है, जहां उसे योआब और सेना के साथ दाऊद के शक्तिशाली लोगों में से एक होना चाहिए था। डेविड को उसे वापस लाना होगा। वह वहाँ नीचे गया है.

और इसलिए, उसकी पत्नी को अभी-अभी मासिक धर्म आया है। और इसलिए, यदि वह गर्भवती दिखाई देती है, तो यह उरिय्याह नहीं हो सकता। और फिर वह घर वापस चली गई।

इसलिए, लेखक कहानी में तनाव बढ़ाने के लिए इन ऑफ़लाइन निर्माणों का उपयोग कर रहा है। जब सेना लड़ने गई तो दाऊद घर पर ही रहा। वह अपनी छत पर था और अचानक उसकी नजर एक महिला पर पड़ी और वह बहुत खूबसूरत थी।

प्रलोभन ने मानो अपना कुरूप सिर उठा लिया है। और दाऊद क्या करेगा? वह प्रलोभन के आगे झुक जाता है। और हमें बताया गया कि जब वह बथशेबा के साथ सोता है, तो उसे अभी-अभी मासिक धर्म आया होता है।

और इसलिए, यहाँ बहुत बड़ा खतरा है। अगर वह गर्भवती हो गई, तो लोग सवाल पूछेंगे और डेविड को समस्या होगी। खैर, श्लोक पाँच में, महिला गर्भवती हुई।

उसने गर्भधारण किया। और फिर विडंबना यह है कि उसने डेविड को एक संदेश भेजा, जिसमें कहा गया था, मैं गर्भवती हूँ। और इसलिए, डेविड को एक समस्या है।

उसे यह पता लगाना होगा कि इस समस्या को कैसे हल किया जाए। और इसलिए, वह एक उचित योजना लेकर आता है। योजना यह है।

हम इसे योजना ए कहेंगे क्योंकि यह काम नहीं करता है और इसके खत्म होने से पहले हमें योजना बी पर जाना होगा। लेकिन डेविड ने फैसला किया, मुझे उरिय्याह को जल्दी से यहां वापस लाना होगा। मुझे उसे उसकी पत्नी से मिलाना है।

उसे अपनी पत्नी के साथ सोना है। अभी तक किसी को पता नहीं चलेगा कि वह गर्भवती है। और फिर जब वह दिखाना शुरू करेगी, तो हर कोई सोचेगा कि उरिय्याह पिता और बतशेबा है, अगर वह अपना मुंह बंद रखेगी, तो किसी को कुछ भी पता नहीं चलेगा।

तो यह योजना है। यह बहुत आसान है। हम उरिय्याह को वापस लाएंगे, उसे उसकी पत्नी के साथ सुलाएंगे, और फिर उरिय्याह सहित हर कोई सोचेगा कि उरिय्याह ही बच्चे का पिता है।

तब दाऊद ने योआब के पास यह कहला भेजा, कि हिती उरिय्याह को मेरे पास भेज दे। और योआब ने उसे दाऊद के पास भेज दिया। और जब उरिय्याह उसके पास आया, तब दाऊद ने उस से पूछा, योआब कैसा है, सिपाही कैसे हैं, और युद्ध कैसा चल रहा है।

उरिय्याह को शायद आश्चर्य हुआ, हम वास्तव में निश्चित नहीं हैं कि इस कहानी में उरिय्याह के दिमाग में क्या चल रहा है। वह कितना जानता है? क्या उसे कुछ संदेह है? लेकिन यह संभव है कि वह सोच रहा था कि मैं, सेना के प्रमुख सैनिकों में से एक, दूत के रूप में क्यों सेवा कर रहा हूँ? कोई भी यह जानकारी वापस ला सकता था। परन्तु तब दाऊद ने उरिय्याह से कहा, अपने घर जाकर अपने पांव धो।

नीचे जाएं और घर की सुख-सुविधाओं का आनंद लें। और मुझे लगता है कि इसमें निहित यह है कि जब आप घर पर हों तो जो भी करना चाहें वह करें। वहाँ नीचे आराम करो।

इसलिए, ऊरिय्याह ने महल छोड़ दिया और राजा की ओर से एक उपहार उसके पास भेजा गया। परन्तु ऊरिय्याह अपने स्वामी के सब सेवकोंके संग महल के द्वार पर सो गया, और अपने घर न गया। वह वहीं महल के प्रवेश द्वार पर अन्य नौकरों के साथ सो गया और वह अपनी पत्नी के साथ जाकर नहीं सोया।

डेविड अपनी पत्नी के साथ सोया था, लेकिन वह ऐसा नहीं करने वाला था। और इसलिए, डेविड जानना चाहता है, डेविड को इस बारे में बताया गया था। उरिय्याह घर नहीं गया।

तो, वह उरिय्याह से पूछता है, यहाँ क्या हो रहा है? क्या आप अभी-अभी किसी सैन्य अभियान से नहीं आये हैं? तुम घर क्यों नहीं गए? क्या तुम्हें याद नहीं आती, मुझे लगता है कि इसका तात्पर्य यह है कि क्या तुम्हें अपनी पत्नी की याद नहीं आती? आपको नीचे जाकर अपनी पत्नी सहित घर की सुख-सुविधाओं का आनंद लेना होगा। ऊरिय्याह ने दाऊद को उत्तर दिया, और यह इस समय राजा के लिए काफी फटकार है। यह काफी फटकार है।

सन्दूक और इस्राएल और यहूदा तम्बुओं में बसे हुए हैं, और मेरा सेनापति योआब और मेरे प्रभु के जन खुले देश में डेरे डाले हुए हैं। मैं अपने घर जाकर कैसे खा-पी सकता हूँ और अपनी पत्नी से प्रेम कैसे कर सकता हूँ? आपके जीवित रहते मैं ऐसा कुछ नहीं करूँगा। तो, वह राजा के सामने खड़ा है।

और ये शब्द दो तरीकों से डेविड की निंदा करने का काम करते हैं। उरिय्याह वास्तव में राजा की आज्ञा का उल्लंघन करता है, लेकिन उसका बचाव एक अनुस्मारक है कि भगवान और उसके कारण के प्रति वफादारी शाही अधिकार से भी ऊपर है। यह ऐसा है जैसे कि उरिय्याह कहता है, मैं वह नहीं करने जा रहा हूँ जो आप मुझसे कहते हैं।

यदि आप राजा हैं तो मुझे कोई फ़र्क नहीं पड़ता। ऐसा करना मेरे लिए ठीक नहीं है। और जब सेना अम्मोनियों के विरुद्ध लगी हुई थी तब ऊरिय्याह ने अपनी ही पत्नी के साथ सोना गलत समझा, परन्तु दाऊद को ऐसी कोई चिंता नहीं थी।

दरअसल, वह पहले ही किसी दूसरे आदमी की पत्नी के साथ सो चुका था। तो, यह डेविड के लिए काफी फटकार है। और शायद उसमें यह भी निहित हो कि आप वहाँ क्यों नहीं हैं? आप राजा हैं।

तब दाऊद ने उस से कहा, ठीक है, एक दिन और यहां ठहर, कल मैं तुझे वापस भेज दूंगा। इसलिए, ऊरिय्याह उस दिन और अगले दिन यरूशलेम में रहा। दाऊद के निमंत्रण पर उसने फिर उसके साथ खाया-पीया।

और इस बार, डेविड, यह योजना ए भाग दो है। योजना का पहला भाग केवल उसे नीचे जाने और अपनी पत्नी के साथ रात बिताने की अनुमति देना था। निश्चित ही, वह ऐसा करेगा।

कोई भी आदमी करेगा. नहीं, ठीक है, उरिय्याह कोई आदमी नहीं है। प्लान ए भाग दो है, ठीक है, चलो उसे शराब पिलाएं।

और उसका अपनी इच्छाशक्ति और इंद्रियों पर पूर्ण नियंत्रण नहीं होगा। और जब वह नशे में हो जाएगा, तो वह अपनी पत्नी के साथ रहना चाहेगा। तो, डेविड उसे नशे में धुत कर देता है।

आप इसकी बस एक तरह से कल्पना कर सकते हैं। आओ, उरिय्याह, एक और ले लो। और सांझ को ऊरिय्याह अपने स्वामी के सेवकों के बीच अपनी खाट पर सोने को गया।

वह घर नहीं गया. इसलिए जब वह नशे में होता है और अपनी सोच पर पूर्ण नियंत्रण नहीं रखता है, फिर भी, वह अपनी पत्नी के पास जाने से इंकार कर देता है। तो, डेविड को अब वास्तव में एक समस्या है।

प्लान ए ने अपने किसी भी रूप में काम नहीं किया है। और इसलिए, डेविड ने फैसला किया, ठीक है, हमें यहां कुछ और हताशापूर्ण काम करना होगा। और इसलिये, भोर को दाऊद ने योआब को एक पत्र लिखा और उसे ऊरिय्याह के पास भेजा।

तो एक बार फिर, डेविड भेज रहा है. वह अपने अधिकार का प्रयोग कर रहा है. और इस विशेष मामले में, वह उरिय्याह को संभवतः एक सीलबंद दस्तावेज़ देने जा रहा है, जिसमें उरिय्याह का मृत्यु वारंट है।

लेकिन उसे इस आदमी पर इतना भरोसा है कि वह जानता है कि वह इसे नहीं पढ़ेगा। वह जानता है कि वह इसे नहीं पढ़ेगा। और इसलिए उसने इसे ऊरिय्याह को दे दिया, और ऊरिय्याह अपनी मृत्यु का आदेश वापस योआब के पास ले जा रहा है।

यह बात उसे कम ही पता है. और इसमें, डेविड लिखते हैं, ऊरिय्याह को सामने रखो जहां लड़ाई सबसे भयंकर है। तब उसके पास से हट जाओ, जिस से वह मारा जाए, और मर जाए।

तो, योआब की योजना अम्मोनी शहर के खिलाफ हमले में उरिय्याह को अग्रिम पंक्ति में खड़ा करने की है। और फिर हर कोई पीछे हट जाता है इसलिए उसे अलग-थलग छोड़ दिया जाता है और उस समय उसे आसानी से मार गिराया जाएगा क्योंकि उसकी संख्या कम हो जाएगी। यदि आप इसके बारे में सोचें तो यह एक हास्यास्पद योजना है।

और यह दर्शाता है कि कभी-कभी जब लोग घबराते हैं, तो वे सीधे नहीं सोचते हैं। मेरा मतलब है, वास्तव में आप ऐसा कैसे करेंगे? आप क्या करने वाले हैं? सभी सैनिकों को फुसफुसाते हुए, और संकेत पर, हर कोई पीछे हट जाता है। लेकिन ऊरिय्याह को मत बताना.

यह काम करने वाला ही नहीं है. और यदि योआब सैनिकों को ऐसा करने के लिए कहने की कोशिश करेगा तो उसे फंसाया जाएगा। यह स्पष्ट होगा कि वह उरिय्याह को मारने की कोशिश कर रहा है।

तो, डेविड की योजना वास्तव में ऐसी नहीं है, इसके पीछे बहुत अधिक सोच-विचार नहीं है। वह दहशत में है, लेकिन जोआब के लिए यह बिल्कुल स्पष्ट है कि डेविड यहां क्या करना चाहता है। किसी भी कारण से, डेविड उरिय्याह को मरवाना चाहता है।

डेविड वास्तव में भाषा का उपयोग करता है, इसलिए उसे मार दिया जाएगा और मर जाएगा। यहां दो अलग-अलग हिब्रू शब्दों का उपयोग किया गया है, नचाह और म्यूट। और वे शब्द पहले भी एक साथ दिखाई दे चुके हैं।

1 शमूएल 17 में, डेविड ने इन शब्दों का उपयोग तब किया जब वह वर्णन कर रहा था कि कैसे उसने भेड़ों को धमकी देने वाले शिकारियों को मार डाला। उसने उन पर प्रहार किया और उन्हें मार डाला। और उसने कहा कि वह गोलियथ के साथ भी वैसा ही करने जा रहा था, और उसने वैसा ही किया।

1 शमूएल 17 में। 2 शमूएल 10.18 में, दाऊद ने अरामी सेनापति शोबक को मार डाला। तो, शब्दों के इस संयोजन का उपयोग पहले भी डेविड के लिए एक योद्धा के रूप में किया गया है, और कैसे उसने अपने दुश्मनों और उन लोगों को मार डाला है जिन्होंने उसे धमकी दी है।

परन्तु अब वह योआब से ऊरिय्याह के साथ ऐसा करने को कह रहा है। तो, एक ज़बरदस्त विरोधाभास है। वैसे शब्दों के इस संयोजन का प्रयोग कुछ अन्य स्थानों पर भी किया गया है।

इससे पहले 2 शमूएल 3 में योआब ने निर्दोष अब्नेर को चाकू मार दिया था। और वास्तव में, यह हिब्रू शब्द है जिसे नष्ट कर दिया गया है, नचाह। और अब्नेर मर गया, इब्रानी शब्द म्यूट।

इसलिए, शब्दों के इस संयोजन का उपयोग तब किया गया था जब योआब ने अब्नेर की हत्या कर दी थी। और इसका उपयोग हत्यारों के लिए भी किया जाता है। उन हत्यारों को याद करें जिन्होंने शाऊल के बेटे, निर्दोष ईश-बोशेत को घर में घुसकर मार डाला था।

डेविड ने कहा कि तुमने एक निर्दोष व्यक्ति को उसके बिस्तर में मार डाला है। उन्होंने उस पर छुरा घोंपा, उन्होंने उसे मारा, फिर, और मार डाला, निःशब्द, निर्दोष ईश-बोशेत। इसलिए, डेविड यहां उस डेविड के विपरीत दिखाई दे रहा है जिसे हमने पहले देखा है, जो अपने दुश्मनों और प्रभु के दुश्मनों पर हमला करता है और उन्हें मार डालता है।

और वह इन हत्यारों की तरह लग रहा है, जिसमें योआब और ये बिन्यामीन भी शामिल हैं, जिन्होंने निर्दोष लोगों को मारा और मार डाला। इस विशेष मामले में यह डेविड के लिए अच्छा संकेत नहीं है। अब उसे कहानी में पहले के कुछ बदमाशों के साथ जोड़ा जा रहा है।

और यह वह डेविड नहीं है जिससे हम प्यार करने लगे हैं जिसे हमने पहले देखा है, वह जो प्रभु की लड़ाई लड़ता है। नहीं, वह यहां हत्या की साजिश रच रहा है। इसलिए जब योआब ने शहर को घेर लिया था, पद 16, वह जानता था कि दाऊद क्या चाहता है।

डेविड किसी भी कारण से उरिय्याह को मरवाना चाहता है। मुझे लगता है कि जोआब को एहसास है कि मैं इसे डेविड के सुझाव के अनुसार नहीं कर सकता। हम बस बाहर जाते हैं और हर कोई पीछे हट जाता है।

हम उस पर अमल भी कैसे करेंगे? इसलिए, मुझे उरिय्याह को अग्रिम पंक्ति में रखना होगा जहां वह जानता था कि सबसे मजबूत रक्षक हैं। और जब नगर के पुरूष निकलकर योआब से लड़े, तब नगर के पुरूषोंने ऐसा आक्रमण किया, कि दाऊद की सेना में से कुछ पुरूष मारे गए। इसके अलावा, हिती उरिय्याह की मृत्यु हो गई।

तो, मिशन पूरा हुआ। लेकिन इस प्रक्रिया में अन्य पुरूषों को मरना पड़ा। और योआब इसी प्रकार सोचता है।

खैर, मुझे राजा की इच्छा पूरी करनी है। हमें यहां कुछ अतिरिक्त क्षति होने वाली है। परन्तु मैं वह पूरा करूंगा जो दाऊद चाहता है।

अतः योआब अब दाऊद को इसकी सूचना देना चाहता है। और इसलिए श्लोक 18 में, योआब ने दाऊद को युद्ध का पूरा विवरण भेजा। और उसने दूत को निर्देश दिया।

और आप सोच रहे होंगे कि जब संदेशवाहक यह सब एक साथ रखने की कोशिश कर रहा था तो वह क्या सोच रहा था? परन्तु वह दूत को आज्ञा देता है, कि जब तुम राजा को युद्ध का यह वृत्तान्त सुनाओगे, तब राजा का क्रोध भड़क उठेगा, और वह तुम से कुछ पूछेगा। तो जाहिर तौर पर इस युद्ध वृत्तांत में, हम इस बिंदु पर उरिय्याह का उल्लेख नहीं कर रहे हैं। और मुझे लगता है कि योआब उम्मीद कर रहा है कि डेविड सूक्ष्मताओं को समझेगा, पंक्तियों के बीच में पढ़ेगा, और महसूस करेगा कि उरिय्याह का ध्यान रखा गया है क्योंकि युद्ध रिपोर्ट में यह तथ्य शामिल है कि इज़राइली सेना सीधे दीवार तक चली गई और फिर उस समय उन्हें हार का सामना करना पड़ा।

युद्ध की रणनीति के बारे में सोचते समय राजा यह रिपोर्ट सुनकर क्रोधित हो सकता है। योआब निश्चित नहीं है। और वह आपसे पूछ सकता है, आप लड़ने के लिए शहर के इतने करीब क्यों आये? क्या तुम्हें मालूम नहीं था कि वे दीवार पर से तीर चलाएँगे? यरूबेशेत के पुत्र अबीमेलक को किसने मार डाला? वह न्यायाधीशों के अध्याय 9 में अबीमेलक के बारे में बात कर रहा है, जो शहर की दीवार के बहुत करीब घुस गया था जिसे वह घेर रहा था।

और जैसा कि डेविड याद करता है, क्या किसी महिला ने दीवार से उस पर चक्की का ऊपरी पत्थर नहीं गिराया था जिससे वह तबेबेज़ में मर गया? क्या तुम्हें वह वृत्तांत याद नहीं है जो हमारे इतिहास में अबीमेलक के साथ क्या हुआ था? यह कोई अच्छी रणनीति नहीं है। तुम दीवार के इतने करीब क्यों आ गये? यदि वह तुझ से यह पूछे, तो उस से कहना, तेरा दास हिती उरिय्याह मर गया है। तो, ऐसा प्रतीत होता है कि जोआब यहां क्या कर रहा है, वह एक विवरण दे रहा है, वह उम्मीद कर रहा है कि डेविड ने उसे क्या करने के लिए कहा था, डेविड पंक्तियों के बीच में पढ़ेगा और महसूस करेगा कि मिशन पूरा हो गया है।

परन्तु योआब निश्चित नहीं है। वह सोच रहा है, डेविड, सैन्य आदमी, रणनीतिकार, वह पागल हो सकता है। और वह हमारी रणनीति पर सवाल उठा सकते हैं।

लेकिन यह वह रणनीति थी जो उरिय्याह को तस्वीर से बाहर करने के लिए आवश्यक थी। और वह उम्मीद कर रहा है कि डेविड इसे देखेगा। परन्तु यदि वह नहीं मानता और क्रोधित होता है, तो दूत से कहता है, बस यह कह, कि तेरा दास हिती ऊरिय्याह मर गया।

अगर मैं संदेशवाहक हूं, तो मैं सोच रहा हूं, इससे कैसे मदद मिलेगी? यदि वह पागल है, तो यह तथ्य कि उरिय्याह मर गया, उसे और भी बदतर बना देगा। उन्होंने अपने सबसे अच्छे सैनिकों में से एक को खो दिया है। तो, संदेशवाहक को यहां विवाद हो गया है, वह सोच रहा है, मुझे समझ नहीं आ रहा है कि यहां क्या हो रहा है।

तो, यह दिलचस्प है कि संदेशवाहक क्या करता है। दूत निकल पड़ा। और जब वह पहुंचा, तो उसने दाऊद को वह सब कुछ बता दिया जो योआब ने उसे कहने को भेजा था।

दूत ने दाऊद से कहा, वे पुरूष हम पर प्रबल हो गए, और हमारे विरुद्ध खुले में निकल आए। परन्तु हमने उन्हें नगर द्वार के प्रवेश द्वार तक वापस खदेड़ दिया। हम वापस करीब आये।

तब धनुर्धारियों ने शहरपनाह पर से तेरे सेवकों पर तीर चलाए। और राजा के कुछ आदमी मर गये। और दूत दाऊद के क्रोधित होने की प्रतीक्षा नहीं करता।

याद रखें, योआब ने कहा था कि अगर वह उसके जवाब का इंतज़ार करेगा तो उसे गुस्सा आ सकता है। और फिर यदि उसकी प्रतिक्रिया नकारात्मक है, तो उसे उरिय्याह के बारे में बताएं। परन्तु इसके बदले, दूत कहता है, तेरा दास हिती ऊरिय्याह मर गया है।

वह एक मृत राजा के साथ खिलवाड़ नहीं करना चाहता। किसी तरह, योआब सोचता है कि इससे वह शांत हो जाएगा। ऐसा प्रतीत होता है कि वह यही कहना चाह रहा है।

मैं बस इसे रिपोर्ट में डालने जा रहा हूं। और इसलिए यह उस तरह से काम नहीं करता जैसा योआब चाहता था। मुझे नहीं लगता कि योआब, आदर्श रूप से, उरिय्याह के नाम का उल्लेख करना चाहता था।

वह बिल्कुल भी उसमें फंसना नहीं चाहता था। लेकिन इसके बजाय, वह है। डेविड दूत से कहता है।

तो, हम सोच रहे हैं कि क्या डेविड इस पर क्रोधित हो जाएगा? दाऊद ने दूत से कहा, योआब से यह कह। इसे आप परेशान न होने दें। इसे आप निराश न करें, एनआईवी ने इसका अनुवाद इसी तरह किया है।

यह वास्तव में है, इसे आपकी नजर में बुरा न होने दें। यह तुम्हारी दृष्टि में बुरा न हो। इसे आप परेशान न होने दें।

तलवार एक के साथ दूसरे को भी नष्ट कर देती है। तो, उरिय्याह की मौत को रिपोर्ट में शामिल किया गया है और डेविड यहां इसे कवर करने की कोशिश कर रहा है। वह योआब को सांत्वना देने की कोशिश कर रहा है।

ऐसा ही दिखता है। हाँ, उरिय्याह जैसे महान योद्धा को खोना एक भयानक बात है, लेकिन युद्ध में ऐसा होता है। इसे तुम्हें परेशान मत होने दो।

तलवार एक के साथ दूसरे को भी नष्ट कर देती है। यह ऐसे ही होता है। शहर पर आक्रमण करें और उसे नष्ट कर दें।

योआब को प्रोत्साहित करने के लिए यह कहो। खैर, जब ऊरिय्याह की पत्नी ने सुना कि उसका पति मर गया है, तो वह उसके लिए विलाप करने लगी। और उसके शोक का समय समाप्त होने के बाद, और मुझे नहीं लगता कि यह बहुत लंबा रहा होगा, डेविड उसे अपने घर ले आया और वह उसकी पत्नी बन गई और उसके लिए एक बेटा पैदा हुआ।

और आप शायद सोच रहे होंगे कि डेविड के लिए यह एक अच्छा काम था। तुम्हें पता है, उसके कारण वह अब विधवा है। और इसलिए वह उसे एक पत्नी के रूप में लेता है और उसे शाही दरबार में हरम में शामिल कर लेता है।

नहीं, नहीं, नहीं। मुझे नहीं लगता कि हमें इसे इस तरह से देखना चाहिए। डेविड अपने ट्रैक को कवर करने की कोशिश कर रहा है।

यह योजना बी का अंतिम चरण है। पहला कदम उरिय्याह से छुटकारा पाना है। मरे हुए आदमी कहानियाँ नहीं सुनाते। और दूसरा कदम है महिला से शादी करना।

और हर कोई सोच सकता है कि, ठीक है, वह उनकी शादी की रात, आप जानते हैं, उनकी शादी के ठीक बाद गर्भवती हो गई। कुछ लोग जो विशेष रूप से ध्यान दे रहे हैं वे सोच सकते हैं कि यह एक प्रकार का समय से पहले जन्म या कुछ और है। लेकिन फिर भी, डेविड सफल होता दिख रहा है।

परन्तु श्लोक 27 में अंतिम कथन पर ध्यान दें। परन्तु दाऊद ने जो किया उससे यहोवा अप्रसन्न हुआ। इससे वह अप्रसन्न हो गया।

और वास्तव में, पाठ कहता है, दाऊद ने जो किया वह प्रभु की दृष्टि में बुरा था। तो यह उस बात का प्रतिकार है जो दाऊद ने योआब से कहा था। इस बात को अपनी नजर में बुरा मत बनने दो।

इस विषय में कुछ मत सोचो। यह सिर्फ संपार्श्विक क्षति है। ऐसा होता है।

प्रोत्साहित रहो। आक्रमण दबाओ। हम कभी-कभी योद्धाओं को खो देंगे, यहाँ तक कि उरिय्याह जैसे अच्छे योद्धाओं को भी।

यह सिर्फ लड़ाई की प्रकृति है। लेकिन फिर हमें बताया गया कि दाऊद ने जो किया वह प्रभु की दृष्टि में बुरा था। और इसलिए यह हमें इस खाते के अगले चरण के लिए तैयार कर रहा है।

तो, यदि आप इसके बारे में सोचें, तो डेविड ने यहाँ क्या किया है? उसने सातवीं और दसवीं आज्ञाओं का उल्लंघन किया है। उसने दूसरे आदमी की पत्नी के साथ व्यभिचार किया। वह दूसरे आदमी की पत्नी का लालच करता था।

और फिर अपने ट्रैक को छुपाने की कोशिश में, उसने हत्या के बारे में छठी आज्ञा और चोरी के बारे में आठवीं आज्ञा को तोड़ दिया है। इसलिए, उसने मूसा के कानून का उल्लंघन किया है और वास्तव में इस संबंध में मृत्युदंड अपराधों का दोषी है। हालाँकि प्रभु ने उनसे यह बिना शर्त या अपरिवर्तनीय वादा किया है, इसका क्या मतलब है? खैर, प्रभु ने 2 शमूएल 7 में यह भी कहा, उस बिंदु पर दाऊद की संतान, उसके वंशज, उसके पीछे चलने वाले के बारे में बात करते हुए, यदि वह मेरी अवज्ञा करता है, तो मैं उसे मनुष्यों की छड़ी से गंभीर रूप से अनुशासित करने के लिए मजबूर हो जाऊंगा।

लेकिन मैं कभी भी रिश्ता नहीं तोड़ूंगा जैसा मैंने शाऊल के साथ किया था। तो, हम अनुमान लगा सकते हैं कि डेविड को यहां बहुत बड़ी कीमत चुकानी पड़ेगी। मुझे लगता है कि हम यहां कुछ सच्चाइयां भी सीखते हैं।

डेविड की कहानी कुछ बातें दर्शाती है। बहुत से लोग इसे वासना और यौन पाप के बारे में एक कहानी के रूप में देखते हैं, और यही बात है। लेकिन इसमें इससे भी अधिक कुछ है।

यह कहानी का एक सतही पाठ है। इसमें इसके अलावा और भी बहुत कुछ है। यह हमें गिरे हुए मानव स्वभाव के बारे में बहुत कुछ बताता है।

और यह हमें ईश्वर के बारे में कुछ सच्चाइयों की याद दिलाता है। और इसलिए यहां कुछ धार्मिक सत्य हैं जो मुझे लगता है कि हम उस कहानी में देखते हैं जिसे हम पवित्रशास्त्र में कहीं और देखने जा रहे हैं। पतित मानव स्वभाव, पापी मानव स्वभाव, मौलिक रूप से त्रुटिपूर्ण है और सबसे जघन्य अपराधों में सक्षम है।

कभी-कभी लोग आपको आश्चर्यचकित कर देंगे। आप किसी को देखेंगे और सोचेंगे, कोई अच्छा व्यक्ति है। और फिर वो कुछ ऐसा करते हैं कि आप पूरी तरह से चौंक जाएंगे।

इज़राइल की गद्दी संभालने के बाद, डेविड, अधिकांशतः, एक धर्मात्मा राजा का आदर्श बन गया था। उसका हृदय ईश्वर के प्रति था, जैसा कि हमें कहानी में पहले बताया गया है। और जब परमेश्वर ने दाऊद के हृदय पर दृष्टि की, तब उस ने कहा, यह वही है जिसे मैं चाहता हूँ।

उनके द्वारा लिखे गए सभी अद्भुत भजनों को देखें, जहां हम ईश्वर के लिए उस हृदय को प्रकट होते हुए देखते हैं। लेकिन आखिरकार क्या हुआ? दाऊद राजा बन गया, और वह शाही शक्ति उसे सबसे अधिक प्राप्त हुई। और हम इसे विकसित होते हुए देख रहे हैं।

और इसीलिए मुझे लगता है कि उन हरम रिपोर्टों की नकारात्मक व्याख्या की जानी चाहिए। वह अधिक से अधिक उस विशिष्ट प्राचीन निकट पूर्वी राजा की तरह दिख रहा है जिसके पास शक्ति थी। और वह शक्ति उसे सबसे अच्छी लगी।

और अंत में, उनकी सफलताएँ और असफलताएँ दोनों ही हमें एक ईश्वरीय नेता के लिए लालायित कर देती हैं। आदर्श रूप से डेविड ऐसा नहीं है। यह वृत्तान्त हमें एक दूसरे सत्य की भी याद दिलाता है।

ईश्वर सर्वज्ञ है। वह वह सब कुछ देखता है जो मनुष्य करता है, और वह जो देखता है उसका नैतिक दृष्टिकोण से मूल्यांकन करता है। भजन 11, हम पढ़ते हैं कि भगवान जो कुछ भी घटित होता है उसे कैसे देखता है।

वह अक्सर बुरे कार्यों की अनुमति देता है, लेकिन वह उन्हें स्वीकार नहीं करता है, और वह बुरे काम करने वालों को उनके व्यवहार के लिए जिम्मेदार ठहराता है, डेविड इसका पता लगाने जा रहा है। तो शायद हम इसे इस तरह रख सकते हैं। सत्ता पाप के लिए प्रजनन भूमि हो सकती है।

और पाप, एक बार कल्पना कर लेने पर, उन लोगों को भस्म कर सकता है जो इसे छिपाने की कोशिश करते हैं। तो यह अधिक मौलिक रूप से शक्ति के बारे में एक कहानी है, और कैसे शक्ति और लालच व्यक्तियों को भ्रष्ट कर सकते हैं। और कभी-कभी वह भ्रष्टाचार हमारी प्रकृति को देखते हुए यौन रूप भी ले लेता है।

लेकिन यह वास्तव में मूल रूप से सत्ता के दुरुपयोग के बारे में है। और फिर हमें यहां यह भी पता चलता है और याद दिलाया जाता है कि हम अपने पापों को ईश्वर से छिपा नहीं सकते। वह देख रहा है, और वह हमारे व्यवहार के लिए हमें जिम्मेदार ठहराएगा।

अपने अगले पाठ में, हम 2 शमूएल अध्याय 12 में इसके परिणाम को देखेंगे।

यह डॉ. बॉब चिशोल्म 1 और 2 सैमुअल पर अपने शिक्षण में हैं। यह सत्र 21, 2 सैमुअल 11 है। हे, हम कितना उलझा हुआ जाल बुनते हैं, शक्ति विवेक को जहर देती है।